English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

https://www.facebook.com/sabgurunews/
https://www.sabguru.com/
https://www.youtube.com/channel/UCCdLI90UP-prqTinNwqLlX7g/

SABGURU NEWS

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 1 | अंक 10 | अजमेर, शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां बदलाव के बड़े दौर से गुजर रही हैं

राजस्थान में पिछले तीस वर्षों से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज चला आ रहा है। अगले महीने होने वाले राजस्थान विधानसभा के चुनाव में जहां भाजपा हर बार राज बदलने के रिवाज को बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वहीं सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनाकर रिवाज बदलना चाहती है। चुनाव में दोनों ही पार्टियों पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही हैं। तीसरे मोर्चे के रूप में बसपा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए.इत्तेहादुल मुस्लिममीन भारतीय आदिवासी पाटी वामपंथी पार्टिया जैसे छोटे राजनीतिक दल भी प्रदेश की राजनीति में तीसरी शक्ति बनकर सत्ता की चाबी अपने हाथ में लेना चाहते हैं।राजस्थान में पिछले 30 वर्षों से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की मुख्य धुरी बने हुए हैं। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत के इर्द.गिर्द ही कांग्रेस की राजनीति घूमती है। कांग्रेस पार्टी में जैसा गहलोत चाहते हैं वैसा ही होता है। 1998 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहते अशोक गहलोत जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। तब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में कई दिग्गज नेता सक्रिय थे। जिनमें मुख्य परसराम मदेरणा, शीशराम ओला, नवल किशोर शर्मा, कुंवर नटवर सिंह, शिवचरण माथुर जगन्नाथ पहाड़िया, हीरालाल देवपुरा, बलराम जाखड़, चौधरी नारायण सिंह, रामनारायण चौधरी, कमला बेनीवालए खेत सिंह राठौड़, प्रद्युम्न सिंह गुलाब सिंह शक्तावत जैसे दिग्गज नेता प्रमुख थे। उस वक्त गहलोत ने इन सभी को मात देकर मुख्यमंत्री का पद हासिल किया था।बाद में गहलोत ने एक.एक कर सभी बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से किनारे लगा दिया। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस की राजनीति में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे सचिन पायलट भी साइड लाईन हो चुके हैं। गांधी परिवार के वफादार भंवर जितेंद्र सिंह का व्यक्तित्व इतना बड़ा नहीं है कि उनके नाम पर मुख्यमंत्री पद के लिए आम सहमति बन सके। 2008 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते सीपी जोशी मुख्यमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार बने थे। मगर उनकी एक वोट से हुई हार ने उनका राजनीतिक कैरियर ही चौपट कर दिया था। गत वर्ष कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत के स्थान पर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास किया था। जिसके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन पर्यवेक्षक बन कर जयपुर आए थे। मगर विधायकों द्वारा विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर देने से सचिन पायलट दूसरी बार मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए थे।मुख्यमंत्री गहलोत पिछले पांच साल से लगातार अपनी सभाओं में कहते आ रहे हैं कि वह चौथी बार भी मुख्यमंत्री बनेंगे। मगर लगता है कि अब कांग्रेस में भी बड़ा उलट.पुलट होने वाला है। विधानसभा चुनाव के बाद यदि कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनती है तो गहलोत के स्थान पर किसी नए नेता को ही कमान मिलने की अधिक संभावना नजर आने लगी है। पिछले पांच वर्षों में जिस तरह से गहलोत ने सरकार चलाई है। उससे कांग्रेस नेता राहुल गांधी संतुष्ट नहीं बताये जा रहे हैं।मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई एक निजी प्रचार एजेंसी डिजाइन बॉक्स को लेकर भी पार्टी में बड़ा विवाद हुआ था। डिजाइन बॉक्स को गहलोत ने अपनी छवि चमकाने के लिए हायर किया था। इस एजेंसी की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की डिजाइन बॉक्स के फाउंडर नरेश अरोड़ा से तकरार हो चुकी है।

अजमेर उत्तर व दक्षिण में बनी शांति आने वाले तूफान का संकेत तो नहीं

भीतरघात से खौफजदा भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी

अजमेर। अजमेर जिले की लगभग सभी विधानसभा सीटों पर टिकट वितरण के बाद भाजपा व कांग्रेस में उपजे राजनीतिक असंतोष तथा नाम वापसी के अंतिम दिन तक निर्दलीय और बागियों की फौज चुनावी रण में बने रहने से मुख्य प्रत्याशियों के बीच हार व जीत के समीकरणों में खासे उलटफेर हो सकते हैं।

यूं तो अजमेर में मुख्य दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच होने वाले मुकाबले की परंपरा रही है। लेकिन बसपा एलजेपी सरीखे दलों ने भी प्रत्याशी उतार कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। प्रत्याशियों की संख्या बढने से चुनावी रण क्षेत्र की फिज्जां बदल चुकी है। राजनीतिक दलों का संगठनात्मक स्वरूप छिन्न भिन्न होता दिख रहा है। आलाकमान के रहमों करम पर निर्भर कांग्रेस और कैडर बेस होने का दावा करने वाली बीजेपी भी अपनों की करतूतों से स्तब्ध है। रूठे और बागियों की जिद जीत के सपने को सच साबित होने में सबसे बडी बाधा बन गई है। टिकट के दावेदार रहे नेता अपने दल के प्रत्याशी का कितना साथ देंगे यह सवाल उठ खडा हुआ है। भीतरघात की आशंका से भाजपा और कांग्रेस का आत्मविश्वास डगमगा रहा है।

अकेले अजमेर उत्तर की बात करें तो उम्रदराज वासुदेव देवनानी 5वीं बार भाजपा की तरफसे कमल खिलाने को लेकर प्रचार में जुटे है। हालांकि निर्दलीय खम ठोंक रहे ज्ञान सारस्वत अपनी ईमानदार छवि के बूते जनता के उम्मीदवार होने की छवि को भुना रहे हैं। कांग्रेस में टिकट वितरण में विलंब होने से प्रचार की दृष्टि से महेन्द्र सिंह रलावता फिलहाल गति बढाने में जुटे हैं। टिकट के अन्य दावेदारों को मनाकर अपने साथ लाने की उनकी कवायद का असर होने लगा हे। हालांकि अंदरखाने कौन कितना साथ निभाएगा इसकों लेकर सवाल जस का तस कायम है।अजमेर दक्षिण विधानसभा सीट पर टिकट ना मिलने से खफा होकर निर्दलीय के रूप में पर्चा दाखिल करने वाले हेमन्त भाटी के नाम वापस ले लेने से भाजपा प्रत्याशी अनीता भदेल और कांग्रेस की द्रोपदी देवी के बीच सीधा मुकाबला होना तय हो गया है। भदेल जहां लगातार हो रही जीत के चलते इस बार भी आश्वस्त हैं वहीं द्रोपदी देवी पार्टी कार्यकर्ताओं के बूते सीधी टक्कर दे रही हैं। अनीता भदेल को लेकर शुरुआत दौर में उठा विरोध का गुबार शांत हो चुका है। लेकिन माली वोटों में बिखराव उनके लिए चिंता का कारण बन सकता है। दक्षिण में जातिगण मतों का बंटवारा चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकता है।

निर्दलीय पत्रकार विनोद गौतम मैदान में डटे

अजमेर दक्षिण से पत्रकार विनोद गौतम ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है तथा चुनावी मैदान में डटे हैं। अपनी बेबाक लेखनी चुनावी समर में जनता को वोट की महत्ता समझा कर उन्हें अपने पक्ष में करने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि काफी मंथन और सोच समझकर चुनाव लडने का फैसला लिया है। राजनीतिक दलों की तरह उनके पास धन बल व संगठन भले ही ना हो पर आमजन और शुभ चिंतकों का मिल रहा स्नेह अनमोल है। अजमेर दक्षिण ही नहीं बल्कि समूचे अजमेर का विकास हो यही लक्ष्य लेकर चुनाव लड रहे हैं।

मेवालाल जादम वोले 36 कौम का साथ मिलेगा

अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से अंबेडकर राइटस पार्टी के प्रत्याशी रोडवेज से सेवानिवृत मेवालाल जादम अपने चुनाव चिन्ह कोट पर वोट देने की अपील करते हुए सुबह से ही प्रचार में जुट जाते हैं। समाजसेवी के रूप में अपनी पहचान के बूते वे माली समाज के साथ साथ अन्य वर्गों में भी पहचान बनी होने से पूरे मनोयोग से प्रचार कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने का कि हर धर्मए जाति व 36 कौम को साथ लेकर चलता रहा हूं तथा भविष्य में भी सबसे भरोसे पर खरा उतरूंगा। अजमेर उत्तर की जनता की हर परेशानी को दूर करना मुख्य लक्ष्य है।

अजमेर दक्षिण विधानसभा चुनाव

पिघल गए हेमन्त भाटी कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी देवी के लिए मैदान छोडा

अजमेर। अजमेर दक्षिण से कांग्रेस के टिकट के दावेदारी हेमन्त भाटी निर्दलीय मैदान में कूदे लेकिन नामांकन वापसी के अंतिम दिन उन्होंने मैदान छोड दिया। भाटी ने जिस तरह नामांकन रैली में भारी संख्या में समर्थकों को जुटाया था। भाटी ने दावा किया था कि वे चुनाव अवश्य लडेंगे। उनके मैदान से हटे ही दक्षिण क्षेत्र के राजनीतिक और चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गए। कांग्रेस में बगावत के बाद भाजपा प्रत्याशी अनीता भदेल चंद दिन ही सुकून की सांस ले सकीं। इसी बीच निर्दलीय हेमन्त भाटी के पार्आी प्रत्याशी के समर्थन में नाम वापसी के फैसले के साथ ही स्पष्ट हो गया कि क्षेत्र में हमेशा की तरह मुकाबला परंपरागत रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होगा।बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,सचिन पायलट की समझाइश काम आई तथा कांग्रेस के राश्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेडा की मौजूद्रगी में भाटी ने नाम वापसी की घोषणा की। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी देवी भी मौजूद रहीं। बाद में भाटी ने अजमेर दक्षिण निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर नामांकन वापसी की।

अजमेर उतर विधानसभा चुनाव

मोदीजी का फोन भी आ जाए तो मैदान से नहीं हटूंगा हट गए लाला बना

अजमेर। राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में अजमेर उत्तर से निर्दलीय प्रत्याशी सुरेन्द्र सिंह शेखावत उर्फलाला बना ने अपना नामांकन वापस ले लिया और भाजपा में रहने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ना तो भाजपा कभी छोडी और ना कभी छोडेंगे। भाजपा ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। जिस पदों के योग्य समझा उन पर काबिज किया।

ऐन मौके पर नाम वापस लेने को लेकर उठ रहे सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि यह सही है कि मैने ही कहा था कि किसी का भी क्या खुद मोदीजी का फोन भी आ जाए तब भी नाम वापस नहीं लूंगा। घटनाक्रम का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि बुधवार रात 3 बजे केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भाजपा नेता बीरमदेव खुद मेरे निवास पर पहुंचे तथा बातचीत हुई।

मेरे गुरु चंपालाल महाराज से भी मैने चर्चा की। राजपूत समाज का कहना भी था कि समाज के वोट दो जगह नहीं बंटने चाहिए। इसके बाद मैने नाम वापसी का फैसला किया। मैं भाजपा में था भाजपा में हूं तथा भाजपा में ही रहूंगा।

4जी कीपैड स्मार्टफोन जियोफोन प्राइमा लॉन्च कीमत 2599 रुपए

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने काई.ओएस पर आधारित 4जी कीपैड स्मार्टफोन जियोफोन प्राइमा लॉन्च किया है जिसकी कीमत 2599 रुपये है। कीपैड स्मार्टफोन का यह उन्नत संस्करण है। यूट्यूब, फेसबुक, व्हाट्सएप, गूगल वॉयस असिस्टेंट जैसी तमाम सुविधाएं अब जियोफोन प्राइमा में बस एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। 2.4 इंच की डिस्प्ले स्क्रीन वाले इस फोन में 1800 एमएएच की बैटरी है।वीडियो कॉलिंग और फोटोग्राफी के लिए मोबाइल में फ्रंट और रियर दोनों डिजिटल कैमरे दिए गए हैं। मोबाइल के पिछले हिस्से में फ्लैश लाइट भी मिलेगी। स्मार्टफोन जियो टीवीए जियो सिनेमा, जियो सावन जैसी प्रीमियम डिजिटल सर्विस से लैस है। जियो.पे के जरिए यूपीआई भुगतान भी किया जा सकता है।जियो प्राइमा 23 भाषाओं का सपोर्ट करता है यानी 23 भाषाओं में काम कर सकता है। चमकदार रंगों में आने वाले इस स्मार्टफोन को प्रमुख रिटेल स्टोर्स के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे रिलायंस डिजिटलएण्इन, जियोमार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और अमेज़ॅन से भी खरीदा जा सकता है। कंपनी का मानना है कि जियोफोन प्राइमा उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो किफायती दामों पर 4जी से लैसए सोशल प्लेटफॉर्म्स से जुड़ा हुआ एक मोबाइल चाहते हैं।

मतदाता वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर कर सकेंगे मतदान

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव के लिए मतदान में निर्वाचन फोटो पहचान पत्र नहीं होने पर मतदाता वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर वोट डाल सकेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित कहा ने यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मतदान दिवस पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी परेशानी के कर सकें। जो मतदाता निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैंए उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में से कोई एक दस्तावेज दिखाना होगा।उन्होंने बताया कि 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज में आधार कार्डए मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड भारतीय पासपोर्ट फोटो सहित पेंशन दस्तावेजए केंद, राज्य सरकारध्पीएसयूध्सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्रए बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड सांसदों, विधायकों एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यागों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 से 22 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली।संसद के शीतकालीन सत्र का आयोजन 4 से 22 दिसंबर तक किया जाएगा। जिसमें दोनों सदनों की 15 बैठकें होंगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल नेटवर्किंग साइट पर गुरुवार को यह जानकारी प्रदान की। उन्होंने लिखा कि अमृतकाल के बीच हम इस सत्र में विधायी एजेंडा औरर अन्य विषयों पर चर्चा करेंगे। संसद का यह सत्र पांच राज्यों मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, तेलंगाना,राजस्थान में आयोजित होने वाले विधानसभा चुनावों के ठीक बाद होने जा रहा है। इन चुनावों की मतगणना 3 दिसंबर को होगी। शरदकालीन सत्र की शुरूआत हंगामेदार हो सकती है और इसका माहौल विधानसभाओं चुनावों के नतीजों से प्रभावित हो सकता है। कैश फॉर क्योरी विवाद में फंसी तृणमूल कांग्रेस ;टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ आचार समिति की रिपोर्ट इस सत्र के प्रारंभ में सदन के पटल पर रखे जाने की संभावना है। इस सत्र के दौरान भारतीय दंड संहिता ;आईपीसी सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम की जगह पर प्रस्तावित नए कानूनों के लिए तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर भी इस सत्र में पारित करने के लिए चर्चा के लिए रखा जा सकता है।मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की व्यवस्था के नए व्यव्सथा के लिए नए विधोयकों भी सदन के पटल पर रखा जा सकता है। इस विधेयक को मानसून सत्र में संसद में प्रस्तुत किया गया था। गौरतलब है कि इस विधेयक की आवश्यकता उच्चतम न्ययालय के निर्देश के बाद उत्पन्न हुई है।

नीतीश कुमार ने खोया आपा बोले मांझी को मुख्यमंत्री बनाना उनकी मूर्खता

पटना। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी पर भड़क गए और कहा कि उन्हें मांझी को मुख्यमंत्री बनाना उनकी मूर्खता थी। विधानसभा में बिहार शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 पर चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने जब कहा कि उन्हें जातीय गणना के आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। यह ठीक से हुआ ही नहीं है। कोई सर्वेक्षण करने के लिए घर तक पहुंचा भी नहीं और टेबल पर बैठकर आंकड़े बना दिए गए। इसके आधार पर यदि कुछ करते भी हैं तो इसकी स्थिति भी वही होगी जिसको हक मिलना चाहिए उसको हक नहीं मिलेगा।मांझी ने आगे कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी आरक्षण पर हर 10 साल में समीक्षा की बात कही थी लेकिन क्या बिहार सरकार ने आरक्षण की समीक्षा की। आरक्षण का धरातल पर क्या हाल है सरकार को इसे देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां तक उन्हें मालूम है कि राजपत्रित कर्मचारी के लिए आरक्षण में 1971 से रोस्टर नियम लागू है।

दलितों के लिए आरक्षण 16 प्रतिशत होना चाहिए था लेकिन आरक्षण मात्र तीन प्रतिशत ही मिला है। 16 प्रतिशत कैसे पूरा किया जाएए इस पर सरकार को सोचना चाहिए। इसी प्रकार विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की बात की जा रही है लेकिन धरातल पर क्या है इसके बारे में भी कोई व्यवस्था बनानी चाहिए। अब तक सरकार यह व्यवस्था नहीं बना पाई है। इसलिए सिर्फ आरक्षण बढ़ा देने से इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। इतना सुनते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मांझी पर भड़क गए।मुख्यमंत्री ने काफी तल्ख लहजे में कहा कि ये क्या कह रहे हैं इनको कुछ आईडिया

है। यह तो मेरी गलती है कि इस आदमी को मैंने मुख्यमंत्री बना दिया था। इसको कोई सेंस नहीं है। ऐसे ही बोलते रहता हैए कोई मतलब नहीं है। हम कह रहे थे कि आप लोगों भाजपा के साथ ही रहिएए लेकिन ये भाग कर आ गया था सात पार्टियों में। इसलिए इस बार हम जानकर इसको भगा दिए। 2013 में जब मैंने बीजेपी को छोड़ दिया थाए तब हम इसको सीएम बना दिए। जिसके बाद मेरी पार्टी के जो लोग थे वो दो ही महीने में कहने लगे कि ये गड़बड़ है इसे हटाइए।अंत में बाध्य किया तो हम फिर से मुख्यमंत्री बन गए।कुमार को संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने एक.दो बार बैठाने की कोशिश की लेकिन मुख्यमंत्री काफी गुस्से में थे उन्होंने आगे कहा कि यह कहता रहता है कि यह भी मुख्यमंत्री थे। यह क्या मुख्यमंत्री थाए यह तो मेरी मूर्खता से मुख्यमंत्री बना। बिना मतलब का बोलते रहता है और मीडिया वाले इस पब्लिसिटी देते हैं।

मुख्यमंत्री जब बोल रहे थे तब मांझी बार-बार सभा अध्यक्ष से कह रहे थे कि मुख्यमंत्री गलत बात कह रहे हैं। उधर भाजपा के सदस्य मुख्यमंत्री की बातों के विरोध में शोरगुल और हंगामा करने लगे। इसके बाद शोरगुल के बीच ही बिहार शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इसके बाद मांझी फिर से अपनी बात कहने के लिए खड़े हुए तब सभा अध्यक्ष ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। भाजपा के सदस्य इसको लेकर जब हंगामा कर रहे थे तब मुख्यमंत्री फिर से एक बार उठ खड़े हुए और कहा कि आप भाजपा ही लोगों के पीछे ये घूम रहा है। अब यह चाहता है गवर्नर बन जाना। हम लोगों के साथ था तब भी उल्टा.पुल्टा बोलता था। इसको बना दीजिए आप लोग गवर्नर। आप काहे नहीं इसको गवर्नर बना देते हैं। हम जानते हैं ये गवर्नर बनना चाहता है।

इस पर नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि दलित मुख्यमंत्री को बोलने दिया जाए। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को खुली चुनौती है कि वे दलित को मुख्यमंत्री बनाएं।

इसके बाद फिर से मुख्यमंत्री खड़ा हो गए और गुस्से में कहा कि आप ;भाजपा बनाए थे इसको मुखयमंत्री। कौन बनाया था बोल रहे हो जानते भी हो। हम ही ने बनाया था। ये गवर्नर बनने के चक्कर में ही लगा रहता है।

इसको जान लीजिए। इसके परिवार का लोग भी इसके खिलाफ है। आप जान लीजिए ये कोई काम का आदमी नहीं है। फालतू है। इसके लिए आप लोग नारा लगा रहे हो। मेरी गदहापनी ;मूर्खता में ये सीएम बन गया।सभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने मुख्यमंत्री को शांत कराते हुए कहा कि आप ही ने उन्हें सीएम बनाया यह बिहार ही नहीं पूरा देश जानता है। यह बताने की क्या जरूरत है।

उधर संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री को समझाते हुए कहा कि आपको बोलने की क्या जरूरत है। हम लोग हैं न बोलने के लिएए आप बैठिए। इसके बाद हंगामा के बीच ही सभा की बैठक शुक्रवार 11 दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई।

गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज की अरविंद केजरीवाल की समीक्षा याचिका

मोदी की डिग्री विवाद

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री को चुनौती देने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की पुनर्विचार याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट से गुरुवार को करारा झटका लगा। उच्च न्यायालय ने 31 मार्च के आदेश को बरकरार रखते हुए केजरीवाल की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया।न्यायाधीश बीरेन वैष्णव ने आज कहा केजरीवाल की पुनर्विचार याचिका को खारिज की जाती है। न्यायमूर्ति वैष्णव की अदालत ने कहा कि वह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील से सहमत होगी कि जब गुजरात उच्च न्यायालय ने अनुमति दी तो केजरीवाल अपने कानूनी उपाय खो चुके थे।केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की मास्टर ऑफ आर्ट्स ;एमए की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के सीआईसी के आदेश को रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने आप संयोजक पर 25000 रुपए का जुर्माना भी लगाया था। केजरीवाल ने अपनी समीक्षा याचिका में प्रधानमंत्री की डिग्री के मामले पर कायम रहने के लिए अदालत द्वारा उन पर लगाए गए जुर्माने को चुनौती दी थी।अदालत के आज के फैसले का मतलब है कि केजरीवाल को अब पहले लगाया गया 25000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। गौरतलब है कि अप्रैल 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग ने केजरीवाल से उनके चुनावी फोटो पहचान पत्र के बारे में जानकारी मांगी। इस पर केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी की शैक्षणिक डिग्री का खुलासा करने की मांग की थी। इस पर केंद्रीय सूचना आयोग ने गुजरात विश्वविद्यालय को मोदी की डिग्री का ब्यौरा देने का निर्देश दिया। इसके खिलाफ गुजरात विश्वविद्यालय ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर उच्च न्यायालय ने सूचना आयोग के आदेश को रद्द कर दिया और केजरीवाल पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगा दिया।इसके बाद केजरीवाल और आप नेता संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस पर गुजरात विश्विद्यालय ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं ने विश्वविद्यालय के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए और उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया। विश्वविद्यालय ने दोनों नेताओं के खिलाफमानहानि का मुकदमा कर दिया। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ पुर्नविचार याचिका दायर की थी जिसे गुरुवार को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

श्री पुष्कर पशु मेला 14 से 27 नवंबर तक

अजमेर। श्री पुष्कर पशु मेला-2023 के दौरान पशु पालन विभाग द्वारा विभिन्न वर्गो की पशु प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि श्री पुष्कर पशु मेला इस वर्ष 14 नवम्बर से 27 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न पशु प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। दुग्ध प्रतियोगिताएं गीर नस्ल, संकर, हॉलिस्टीन एवं जर्सी गाय की होगी।इसी प्रकार पशु नस्ल प्रतियोगिता गीर नस्ल ;दुधारू गाय, शुष्क गाय, सांड,बछड़ा एवं बछड़ी,संकर हालिस्टीन ;दुधारू गाय, शुष्क गाय ओसर व बछड़ी भैंस वंश भैंस व पाडा अश्व वंश ;नर ऊंट, मादा ऊंट व सवारी ऊंट तथा नागौरी बैल जोड़ी ;अदंत 2 से 4 दांत व 6 से 8 दांतद्ध वर्ग की होगी।उन्होंने बताया कि श्री पुष्कर पशु मेले में पशुपालन विभाग के विभिन्न सम्भागों में 50 अधिकारी एवं 175 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पशुओं की निःशुल्क चिकित्सा के लिए 3 दड़ा चिकित्सालय, एक मोबाईल यूनिट तथा प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय पुष्कर में 24 घण्टे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी।मंगलवार 14 नवम्बर को झण्डा चौकी एवं 16 नवम्बर से सभी प्रवेश स्थल पर चौकियों की स्थापना की जाएगी। मेले का विधिवत उद्घाटन 18 नवम्बर को होगा। इस दिन से सफेद चिट्ठी तथा पशु रवन्ना की शुरूआत की जाएगी। गीर एवं संकर नस्ल पशु प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 नवम्बर को किया जाएगा।इसी के साथ प्रतियोगिताएं प्रारम्भ होगी। सर्वश्रेष्ठ गीर पशु, सर्वश्रेष्ठ दुधारू पशु एवं सर्वश्रेष्ठ मेला पशु का चयन 22 नवम्बर को किया जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह मेला मैदान में 27 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही मेले का विधिवत समापन होगा।

निर्दलीय ज्ञान सारस्वत चुनावी मैदान में डटे,चुनाव कार्यालय का उदघाटन

हॉट सीट बनी अजमेर उत्तर विधानसभा सीट

अजमेर। हॉट सीट बनी अजमेर उत्तर विधानसभा सीट से नाम वापसी के अंतिम दिन अपने सैकडों समर्थकों की मौजूदगी में मुख्य चुनाव कार्यालय का उदघाटन कर निर्दलीय प्रत्याशी ज्ञान सारस्वत ने ऐसी सभी अफवाहों को विराम दे दिया कि वे दबाव में आकर चुनावी जंग में पीछे हट जाएंगे।गुरुवार शाम हर तरफ ज्ञान सारस्वत के चुनाव चिन्ह सीटी की गूंज सुनाई पडने लगी। आलम यह था कि फाइसागर पुलिस चौकी के पास चुनाव कार्यालय के बाहर जमा सारस्वत के समर्थक जमकर सीटी बजा रहे थे। सबका कहना था कि यह विकास की सीटी है। ईमानदारी की सीटी है। भ्रष्टाचार मिटाने की सीटी है। अजमेर की जीत की सीटी है। अजमेर के विकास के श्रीगणेश की सीटी है।चुनाव कार्यालय पर ज्ञान सारस्वत के पहुंचते ही समर्थकों की भीड ने उन्हें मालाओं से लाद दिया। हर तरफ भीड का आलम था। सारस्वत ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर चुनाव कार्यालय का उदघाटन किया। इस मौके पर उन्हें अयोध्या में शहीद हुए अविनाश माहेश्वरी के पिता ने जीत का आशीर्वाद दिया। अजमेर उत्तर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्यजनों ने पुरजोर तरीके से जीत का भरोसा दिलाया।सारस्वत ने आगंतुक समर्थकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सबका स्नेह ही मेरी ताकत है। इस चुनावी रण में अकेला कुछ नहीं कर सकता। पार्षद के रूप में मेरा कार्याकाल और कार्य शैली किसी के लिए अंजान नहीं है। इस बार जनता के उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव में खडा करके आपने जो विश्वास जताया है उसकी विजय होगी। अजमेर के विकास का सपना सच होगा। अजमेर को हक दिलवाना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि चुनावी वैतरणी पार लगने के लिए वोट रूपी ताकत जनता के पास है। सभी को जगाना है हक दिलाना है भ्रष्टाचार मिटाना है। अजमेर को नियमित पेयजल दिलाना है। अपने क्षेत्र में हर दिन मतदाता बंधुओं, माताओं, बहनों और युवा साथियों को अधिकाधिक वोटिंग के लिए प्रेरित करें। व्यक्तिगत रूप से हर क्षेत्र में पहुंचकर निवेदन करने का मेरा प्रयास रहेगा। कहीं ना भी पहुंच सकूं तो खुद को ज्ञान सारस्वत मानकर परिवर्तन और जीत की मशाल को जलाए रखना है। वोटिंग के दिन तक उत्साह में कोई कमी ना आए।

देवनानी की गलफांस बने सारस्वत

बातादें कि अजमेर उत्तर से बिगत 20 साल से लगातार जीत का परचम फहरा रहे भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी को पांचवीं बार टिकट दिए जाने का विरोध पार्टी के भीतर ही उठने लगा था। टिकट के लिए अनेक अन्य नेताओं ने भी दावेदारी पेश की थी। इसके बावजूद देवनानी को ही प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद भाजपा में बगावत हो गई। कुछ बागी नेताओं को मना भी लिया गया। लेकिन बागी हुए ज्ञान सारस्वत को मनाने की हर कोशिश नाकाम हुई। वे आम जनता के उम्मीदवार बनकर भाजपा उम्मीदवार की गलफांस बन गए। नामांकन रैली दाखिल करने के दिन से लेकर चुनाव कार्यालय खोले जाने तक सारस्वत के समर्थकों ने संख्या बल के रूप में ताकत का प्रदर्शन करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोडी।

ईडी, सीबीआई और इन्कम टैक्स भाजपा के स्टार प्रचारक -पवन खेड़ा

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि ईडीए सीबीआई व इन्कम टैक्स भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक है। खेड़ा गुरुवार 9 नवंबर को अजमेर प्रवास के दौरान पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह भाजपा के स्टार पर्यटक हैं। इस बार राजस्थान की जनता जागरूक और भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है।खेड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का चालए चरित्र और चेहरा आम जनता के सामने आ चुका है। आम आदमी की बुनियादी सुविधाओं पर बात ना कर धर्म की राजनीति से देश को विकास की ओर नहीं बल्कि विनाश की ओर जा रही है।

उन्होंने लाल डायरी पर तंज करते हुए कहा कि देश फिलहाल तो लाल आंखें देखना चाहता है और आम जनता लाल सिलेंडर पर खून के आंसू रो रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का महिला बिल भी जुमलेबाजी साबित होगा इनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न और भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है।

खेड़ा ने कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमत कम होने के बावजूद केंद्र की भ्रष्ट मोदी सरकार पेट्रोल व डीजल के दाम स्थिर कर आम जनता को दोनों हाथ से लूट रही है। जीएसटी का हिस्सा राजस्थान सरकार को समय पर नहीं देकर केंद्र सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है।खेड़ा ने कहा कि राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं सुशासन से आम जनता को महंगाई से राहत मिली है। सरकार बनने पर सात गारन्टियों की घोषणा की हैं। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी और पिछले 30 साल का रिवाज तोड़ेगी।उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने युवाओं,छात्रों, महिलाओं, किसान, मजदूर समेत हर वर्ग के लिए काम किया है। जनता हमें आशीर्वाद देगी।इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शी भटनागर ने कहा कि अजमेर शहर में भाजपा के दोनों विधायकों ने अजमेर शहर को विकास की जगह विनाश की राह पर डाल दिया है जो की शर्मनाक है। अजमेर जिले में सांसद दोनों विधायक एव नगर निगम का मेयर सहित पूरा बोर्ड भारतीय जनता पार्टी का है। जिसके फलस्वरुप केंद्रीय भाजपा सरकार की जुमले बाजी और थोथी घोषणा का लाभ जिले की जनता को कभी नहीं मिला।राजस्थान की कांग्रेस सरकार की उत्कर्ष व उल्लेखनीय योजनाओं व गारंटियों के कारण प्रदेश मे कांग्रेस के पक्ष में माहौल बना है जिससे भारतीय जनता पार्टी में बौखलाहट है। भाजपा के पास कोई मुद्दा क्रिएट नहीं हो पाया है और ना ही उनके पास में जनता के बीच में जाकर बताने का कोई विजन या उपलब्धि है। प्रदेश और जिले की जनता कह रही है कि कांग्रेस ने काम किया है दिल से इसलिए राजस्थान में कांग्रेस फिर से यानी कि भारतीय जनता पार्टी डिलीट होगी और कांग्रेस पार्टी रिपीट होगी।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अजमेर प्रवास के दौरान ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा किया था वह अपने वादे से मुकर गए।इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन, उपाध्यक्ष कुलदीप कपूर, फक्करे मोईन, महासचिव शिवकुमार बंसल, वैभव जैन, कैलाश कोमल, सुनील केन, वसीम खान, चंद्रशेखर बालोटिया, कशिश बायला, रोहित चौहान, अनुराग रायपुरिया, अब्दुल फरहान, धीरज यादव, आलोक गुप्ता, जुनैद पठान, चतुर्भुज शर्मा, जाहिद खान, मजाहिर चिश्ती, सुनील लारा,अता मोहम्मद पठान सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का साफा बांधकर व माला पहनकर स्वागत किया।

Maharashtra Govt set to acquire Air India building for Rs 1,601 crore

With the Maharashtra government facing a space crunch at the Mantralaya and its annexe, some of its offices will soon have a new address – the iconic 23-storey sea-facing Air India building at Nariman Point, just 600 metres away from the state secretariat.At a meeting chaired by Chief Minister Eknath Shinde Wednesday, the State Cabinet decided to acquire the building for Rs 1,601 crore.The building, designed by well-known architect John Burgee, was constructed in 1974 on reclaimed land that the state government had leased to Air India. It is among Mumbai's well-known landmarks.In 2018, five years after shifting its headquarters to New Delhi, Air India decided to dispose of the building as part of its asset monetisation plan, and called for bids from interested parties.While Air India's asking price was Rs 2,000 crore, the Maharashtra government had then offered Rs 1,400 crore, the Jawaharlal Nehru Port Authority offered Rs 1,375 crore, and the Life Insurance Corporation offered Rs 1,200 crore.

On Wednesday, the Maharashtra Cabinet ratified the fresh proposal. The government also decided to waive off about Rs 250 crore of unrealised income and interest that Air India owed the state government for the leased land.After the Mantralaya fire in 2012, many government offices and departments are scattered across different areas of the city, some of which are at a distance from the state secretariat. According to officials, the state government pays about Rs 200 crore annually as rent for these offices.

राजस्थान में कांग्रेस हर पांच साल में मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर करने के चलन को तोड़ देगी - पायलट

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बुधवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी राजस्थान में हर पांच साल में मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर करने के चलन को तोड़ देगी और 25 नवंबर के विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बनाएगी। पायलट ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी भाजपा विकास के मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है और चुनाव के दौरान धर्म पर बात कर रही है।पायलट ने बुधवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र टोंक में कहा राजस्थान में 30 साल की परंपराभाजपा के पांच सालए कांग्रेस के पांच साल वह परंपरा टूटने वाली है। लोगों ने देखा है केंद्र में भाजपा का शासन है और वे बदलाव चाहते हैं। उन्होंने पीटीआई.भाषा से कहा कि भाजपा जनता को गुमराह करने की हर कोशिश कर रही है लेकिन हमारा मुद्दा विकास का है। पार्टी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ रही हैए इसलिए मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम राजस्थान में सरकार बनाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के नतीजे हर किसी को चौंका देंगे और कांग्रेस वहां भी सरकार बनाएगी।उन्होंने कहा कि अगर इन चार.पांच राज्यों में हमारी सरकार बनती है तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया मजबूत होगा। यह गठबंधन 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा।बाद में उन्होंने टोंक में मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर भाजपा के पास राजस्थान के लोगों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में कोई योजना है तो वह स्वागत करेंगे।

पायलट ने कहा कि श्उनके पास कोई विकल्प नहीं है और कोई रोडमैप नहीं है। वे चुनाव के समय धर्म की बात करते हैं। चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए।उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को किसी भी धर्म का पालन करने की आजादी है लेकिन राजनीतिक भाषणों में धर्म का बार.बार इस्तेमाल कुछ घबराहट दिखाता है क्योंकि उनके पास विकास के नाम पर कहने के लिए कुछ नहीं है।पायलट ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसान विरोधी कानून सैनिकों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना लेकर आई। उन्होंने कहाए श्खिलाड़ी भूख हड़ताल पर रहे महंगाई आसमान छू रही है। देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी भाजपा शासन में है। केंद्र सरकार हर मोर्चे पर विफल है और लोग देश स्तर पर बदलाव चाहते हैं।पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एकजुटता के साथ विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा हमारा चुनावी घोषणा पत्र जल्द ही जारी होने वाला है। पार्टी ने पिछले चुनाव के घोषणा पत्र में किये गये वादे पूरे किये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रमित और डरी हुई है इसलिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

भाजपा प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार ने जोर पकडा

अजमेर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में अजमेर जिले की समस्त सीटों पर नामांकन वापसी के साथ प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार को तेज कर दिया है। राजनीतिक दलों के नेताए कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने में कोई कसर बाकी नही छोड रहे।अजमेर उत्तर क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार वासुदेव देवनानी हर दिन अपने क्षेत्र में प्रचार के लिए निकल रहे हैं। उन्हें भाजपा और जनसंघ के प्रति निष्ठा रखने वाले मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। देवनानी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर में भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जब राजस्थान में भाजपा सरकार को मजबूत कर देंगे तो केंद्र ओर मजबूत होगा। इस बार अजमेर जिले की आठों विधानसभा सीटों पर भाजपा को जिताना है।इसी प्रकार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की उम्मीदवार अनीता भदेल घर घर दसतक दे रही हैं। भदेल ने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र की सेवा करते हुए उन्हें 20 साल से अधिक हो गए। प्रदेश में अजमेर शहर की अलग से पहचान बने यह लक्ष्य है।नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा, किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी ब्यावर से शंकर सिंह रावतए मसूदा से वीरेन्द्र सिंह कानावातए पुष्कर से सुरेश सिंह रावतए केकड़ी से शत्रुघन गौतम गांव ढाणियों तक पहुंचकर चुनाव प्रचार में जुटे हैं।

भगवानपुरा का पटवारी पांच हजार की रिश्वत लेते अरेस्ट

अजमेर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने अजमेर जिले की पीसांगन पंचायत समिति के भगवानपुरा के पटवारी हमीर्दुरहमान कुरैशी को एक मामले में मंगलवार को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।ब्यूरो के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार परिवादी ने अजमेर एसीबी इकाई को शिकायत की कि नामांतरण खोलने की एवज में पटवारी पटवार हल्का भगवानपुरा अतिरिक्त चार्ज सूरजकुंड पीसांगन अजमेर पांच हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं।ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन करने बाद पटवारी हमीर्दुरहमान कुरैशी निवासी मेवाड़िया रोड़ पीसांगन को परिवादी से पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के उपमहानिरीक्षक रणधीर सिंह के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी हैं।

कांग्रेस सरकार के 5 साल के विकास व 7 गारंटी से जीतेंगे चुनाव-खेड़ा

अजमेर,। अजमेर क्लब में प्रेस वार्ता के दौरानकांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता व स्टार प्रचारक पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और भाजपा के स्टाफ ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स है। भाजपा सिर्फ बातें करती है। हम गारंटी देते हैं। खेड़ा ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के 5 साल के विकास के कार्यकाल और 7 गारंटी से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने राजस्थान सहित देश भर में पेट्रोल डीजल और गैस सिलेंडर के महंगे दामों के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार ठहराया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ राजकुमार जयपाल, प्रदेश सचिव सुनील लारा, प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शी भटनागर, विवेक पाराशर, शिवकुमार बंसल, कैलाश कोमल व कुलदीप कपूर आदि मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव 2023

चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम फाइनल

अजमेर। विधानसभा आम चुनाव नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के साथ ही गुरूवार 9 नवम्बर को चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नाम फाइनल हो गए।

किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से महबूत अली ;निर्दलीय आदर्श दरगड़ , निर्दलीय, अशोक तेजी ;निर्दलीय, के नाम वापसी के पश्चात् नफीस,आम जनमत पार्टी, सत्यनारायण सेन,निर्दलीय, राजकुमार शर्मा ,निर्दलीय, नन्द किशोर मेघवंशी ;आजाद समाज पार्टी.कांशीराम, रामनिवास,बहुजन समाज पार्टी, दीपक टांक राईट टू रिकॉल पार्टी, विकास चौधरी ;इंडियन नेशनल काँग्रेस, महावीर प्रसाद जैन ;भारतीय पब्लिक लेबर पार्टी, पुखराज प्रजापति ;निर्दलीय,भागीरथ चौधरी ;भारतीय जनता पार्टी, सुरेश टांक ;निर्दलीयएवं बाबूलाल बागरिया ;निर्दलीय मैदान में है।

पुष्कर विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि पुष्कर विधानसभा क्षेत्र से मोहम्मद इकबाल निर्दलीय, मुकेश गैना ;निर्दलीय, भंवर बहादुर, ;निर्दलीय के नाम वापसी के पश्चात् सज्जन सिंह निर्दलीय प्रेम लाल भील,भीम ट्राईबल काँग्रेस अशोक सिंह ;निर्दलीय रंजीत सिंह ,जन संघ पार्टी शाहबुद्दीन ;बहुजन समाज पार्टी, अशोक सिंह रावत,राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, नसीम अख्तर ;इंडियन नेशनल काँग्रेस ,रईस अहमद ;निर्दलीय, श्रीगोपाल, निर्दलीय, अक्षयराज सिंह, आम आदमी पार्टी, अंकित ;राइट टू रिकॉल पार्टी, सुमेर सिंह ,निर्दलीय, सुरेश सिंह ;भारतीय जनता पार्टीद्धए अलाउदीन खान,निर्दलीय रंजीता ;अखिल भारतीय आमजन पार्टी महावीर सिंह, निर्दलीय एवं लालचन्द ;निर्दलीय मैदान में है।

अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से अजमत खान ;निर्दलीय, सलीम खान ;निर्दलीय, दुर्गादास तुलसियानी नर्दलीय, मोहम्मद हुमायूं खान,

निर्दलीय, सुभाष चन्द्र खण्डलेवाल निर्दलीय, शाहबुद्दीन कुरैशी,निर्दलीय, शक्ति सिंह ,निर्दलीय सुरेन्द्र सिंह निर्दलीय के नाम वापसी के पश्चात् सुशीला ,बहुजन समाज पार्टी, दया मोहन गर्ग,निर्दलीय, लाल सिंह,निर्दलीय, रमेश कुमार टेहलानी ;आम आदमी पार्टी, बलवीर सिंह शेखावत ;निर्दलीय, महेन्द्र सिंह रलावता ;इंडियन नेशनल काँग्रेस, हरीराम ;राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, देवेन्द्र ;राईट टू रिकॉल पार्टी, ज्ञान चन्द सारस्वत ;निर्दलीय मेवालाल ;अम्बेडकराईट पार्टी ऑफइंडिया, कुन्दन वैष्णव ;निर्दलीय एवं वासुदेव देवनानी ;भारतीय जनता पार्टी मैदान में है।

अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से हेमन्त भाटी,निर्दलीय के नाम वापसी के पश्चात् पिंकी खोरवाल रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया डॉ. द्रोपदी कोली ;इंडियन नेशनल काँग्रेस परमेश्वर लाल कटारिया ;राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी हेमन्त कुमार सोलंकी ;बहुजन समाज पार्टी, रविन्द्र ;रविद्ध बालोटिया ;आम आदमी पार्टी, विजय खेरालिया ;नेशनल फ्यूचर पार्टी, विनोद कुमार ;निर्दलीय, अनिता भदेल ;भारतीय जनता पार्टी एवं हितेश शाक्य ;राईट टू रिकॉल पार्टी मैदान में है।

नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र से शारदा मितलवाल, नर्दलीय,जितेन्द्र सिंह,निर्दलीय, के नाम वापसी के पश्चात् जीवराज ,जननायक जनता पार्टी, नूर मोहम्मद, निर्दलीय शिव प्रकाश गुर्जर,इंडियन नेशनल काँग्रेस शिवराज सिंह,राष्ट्रीय जन शौर्य पार्टी, महेन्द्र, रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया अठावले, मुकेश कुमार मेघवंशी, बहुजन समाज पार्टी,शाबुद्दीन निर्दलीय,राजुद्दीन, निर्दलीय, मोनिका टांक, राईट टू रिकॉल पार्टी एवं रामस्वरूप लांबा ;भारतीय जनता पार्टी मैदान में है।

ब्यावर विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि ब्यावर विधानसभा क्षेत्र से देवराज जैन निर्दलीय के नाम वापसी के पश्चात् मनोज चौहान, निर्दलीय इन्दर सिंह बागावास,निर्दलीय सत्यनारायण पालडिया ;राष्ट्रीय व्यापारी पार्टी शिवानी मेघवाल, बहुजन समाज पार्टी, पुरूषोत्तम भाटी, निर्दलीय, राजेन्द्र प्रसाद ;निर्दलीय, सुरज कुमार सुयल, निर्दलीय, महेन्द्र सिंह रावत ;निर्दलीय, रसूल काठात, इंडियन पीपल्स ग्रीन पार्टी, पारसमल जैन ;इंडियन नेशनल काँग्रेस एवं शंकर सिंह रावत ;भारतीय जनता पाटी मैदान में है।

मसूदा विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि मसूदा विधानसभा क्षेत्र से भगवान सिंह निर्दलीय, मंजू देवी ;निर्दलीय,ए सुरेन्द्र सिंह ;निर्दलीय, गजानन्द निर्दलीय, गोपाल लाल गुर्जर ;निर्दलीय, ब्रह्म देव कुमावत निर्दलीय, विष्णु सिंह राठौड़ ;निर्दलीय, विक्रम ;निर्दलीय, हनुमान जाट ;निर्दलीय, के नाम वापसी के पश्चात् वाजिद ;बहुजन समाज पार्टी, सुनील कुमार जैन ;निर्दलीय, रामदेव,निर्दलीय, विरेन्द्र सिंह भारतीय जनता पार्टी, जसवीर सिंह ,निर्दलीय, सचिन जैन ;राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, राकेश ;इंडियन नेशनल काँग्रेस, नितिन ;राईट टू रिकॉल एवं तेजूलाल ;निर्दलीय मैदान में है।

केकड़ी विधानसभा क्षेत्र

उन्होंने बताया कि नाम वापसी के अंतिम दिन केकड़ी विधानसभा क्षेत्र से किसी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। केकड़ी से जितेन्द्र बोयत ;आजाद समाज पार्टी.कांशीराम, डॉ.रघु शर्मा, इंडियन नेशनल काँग्रेस हेमराज गुर्जर निर्दलीय, बद्रीलाल निर्दलीय, तुलसी देवी ;बहुजन समाज पार्टी, जगदीश जाट निर्दलीय, शत्रुघन गौतम ;भारतीय जनता पार्टी एवं सुरेन्द्र सिंह निर्दलीय मैदान में है।

अजमेर जिले की 8 सीटों में तीन में सीधा एवं 5 में त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना

अजमेर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में अजमेर जिले की आठ विधानसभा क्षेत्रों में अजमेर दक्षिण, केकड़ी एवं नसीराबाद में सीधा मुकाबला तथा अजमेर उत्तरए किशनगढ़, ब्यावर, पुष्कर एवं मसूदा में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार नजर आ रहे हैं।अजमेर दक्षिण सीट पर भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार अनीता भदेल और कांग्रस प्रत्याशी एवं नगर निगम में प्रतिपक्ष नेता कांग्रेस की द्रौपदी कोली के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। यहां कांग्रेस के बागी बने हेमंत भाटी ने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव मैदान से हट गए। केकड़ी में कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री डॉ.रघु शर्मा का सीधा मुकाबला भाजपा के शत्रुघ्न गौतम से है। नसीराबाद में पूर्व मंत्री सांवरलाल जाट के पुत्र एवं भाजपा प्रत्याशी विधायक रामस्वरूप लांबा का मुकाबला कांग्रेस के प्रत्याशी एवं छात्र नेता शिवराज सिंह गुर्जर से है।अजमेर उत्तर में सर्वाधिक रोचक मुकाबले की सम्भावना है जहां भाजपा मूल के पार्षद ज्ञान सारस्वत निर्दलीय के रुप में चुनाव मैदान में डटे हैं जो भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी के लिए मुश्किले खड़ी कर सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता है जो पिछले चुनाव में देवनानी के सामने चुनाव हार गए थे लेकिन इस बार पार्टी ने फिर उन पर भरोसा जताया है। ब्यावर में भाजपा के शंकर सिंह रावत का मुकाबला कांग्रेस के पारस जैन पंच से है निर्दलीय मनोज चौहान एवं इन्दर सिंह बागावास मुकाबले को रोचक बना सकते है। पुष्कर में भाजपा के सुरेश सिंह रावत का मुकाबला प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नसीम अख्तर से है लेकिन यहां पुष्कर के ही पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती के चुनाव में ताल ठोकने से यहां मुकाबला त्रिकोणीय बन सकता है।

किशनगढ़ में भाजपा ने सांसद भागीरथ चौधरी को मैदान में उतारा है जहां उनका मुकाबला भाजपा छोड़कर आए युवा छात्र नेता विकास चौधरी से है जिनके समर्थन में मुख्यमंत्री गहलोत सभा भी कर चुके हैं लेकिन विधायक एवं मार्बल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेश टांक के भी चुनाव मैदान में होने से यहां भी चुनावी मुकाबले के त्रिकोणीय आसार नजर आ रहे है। मसूदा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने विधायक राकेश पारीक पर दांव खेला है जिनका मुकाबला मसूदा के पूर्व प्रधान भाजपा उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह कानावत से है लेकिन कांग्रेस से नाराज होकर बहुजन समाज पार्टी ;बसपा से वाजिद खान चीता के मैदान में डटे रहने से मुकाबला त्रिकोणीय बनने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान चुनाव में अजमेर जिले में भीम ट्राइबल कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पाटी, राष्ट्रीय जन शौर्य पार्टी, जननायक जनता पाटी, राइट टू रिकाल पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी आफइण्डिया ;अठावले अम्बेडकर राईट पार्टी आफ इण्डिया, रिपब्लिकन पार्टी आफइण्डिया, नेशनल फ्यूचर पार्टी आफ इण्डिया ने भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे है। पार्टियों के अलावा निर्दलीय भी अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे है।

अजमेर जिले की आठ विधानसभा सीटों में सीटों पर 88 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें सर्वाधिक पुष्कर में 17 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे है जबकि सबसे कम आठ उम्मीदवार केकड़ी में हैं। इसके अलावा अजमेर उत्तर में एवं किशनगढ़ में 12-12, ब्यावर 11, नसीराबाद 10, तथा अजमेर दक्षिण एवं मसूदा में 9-9 उम्मीदवार अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें

मो. +91 98879087277, 7737385114
Email ID sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277